P: ISSN No. 0976-8602 RNI No.UPENG/2012/42622 VOL.-6, ISSUE-3, July - 2017

E: ISSN No. 2349-9443 Asian Resonance

Editorial Board – Asian Resonance

July-2017

Executive Board

PATRON
Dr. M.D. Pathak
Chairman, Centre for Research & Development of Waste & Marginal Land
Ex. Director General, U.P. Council of Agriculture Research, U.P.
Ex. Director, Research and Training, International Rice Research Institute, Manila, Philipines
pathakmd1@gmail.com

EDITOR
Smt.Deepti Mishra
Treasurer,
S R F,Kanpur
asianresonance@gmail.com

MANAGING EDITOR
Dr. Rajeev Mishra
Secretary,
S R F,Kanpur
indra.rajeev@gmail.com

EDITOR-IN -CHIEF
Dr. Asha Tripathi
Senior Vice-President,
Social Research Foundation, Kanpur
asha23346@gmail.com

EDITORIAL-ADVISORY BOARD

Chemistry
Dr. Narendra Bhojak
MGS University, Bikaner
Dr. Sumnesh
Govt. Degree College,
J &K

Management
Dr. Suresh Seth
Rayat Institute of Management
Railmajra, Punjab
Dr. K.C. Biswal
Nehu Tura Campus Tura, Meghalaya
Dr. Rajiv Aggarwal
Vardhman College,
Bijnor, (U.P.)

Psychology
Dr. Chandra Shekhar
University of Jammu, Jammu
Dr. Anuradha Singh
M.K.P. P.G. College,
Uttarakhand

Applied Science
Dr. M.G. Mohanan
Vivek College, Mumbai

Geography
Dr. Vinod Singh
Govt. Dungar College, Bikaner
Dr. Pinku Suthar
Govt. P.G. College, Jodhpur

Commerce
Swapan Kumar Samanta
Sonomukhi College,
Sonomukhi,West Bengal
Dr. Praveen Sahu
Central University of Rajasthan, Ajmer.

Botany
Dr. Debnath Palit
Durgapur Govt. College ,
Durgnar
Dr. Sanjay Pandey
Banwarilal Bhalotia College,
Asansol,West Bengal

History
Manohar Kumar
Saltora Netaji Centenary College,
Saltora, West Bengal
Dr. Anila Purohit
Govt. Dungar College, Rajasthan

Economics
Dr. Anup Kumar Mishra
D.A.V. P.G. College
Dr. Mona Khare
NUEPA, New Delhi

Zoology
Dr. Prakash Chandra Acharya
Guru Govind Govt. College
Banswara
Dr. Devendra Nath Pandey
Govt. S.K.N. P.G. College,
M.P.

P: ISSN No. 0976-8602 RNI No.UPENG/2012/42622 VOL.-6, ISSUE-3, July - 2017
E: ISSN No. 2349-9443 Asian Resonance

सम्पादकीय.....

सुधी पाठको,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव–निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते– यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। लगभग 40 से 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे है तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

(श्रीमती दीप्ति मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा0 राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू–1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।
संपादक : दीप्ति मिश्रा, Mobile No. **9335332333, 9839074762**
Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, **website:** www.socialresearchfoundation.com